प्रथम सत्र : १२.०० से १.३० तक (एन.आर.-१)

२१ वीं सदी में नाटक एवं रंगमंच

अध्यक्ष : डॉ.लक्ष्मीनारायण भारद्वाज, दिल्ली

विषय प्रवर्तक : अनुपम आनंद, प्रयागराज

मुख्य वक्ता : डॉ.विनोद शर्मा, जयपुर, श्री के. एन. उपाध्याय,
डॉ.अल्का पाण्डेय, लखनऊ, डॉ.मुन्ना तिवारी, झाँसी,

संचालन : डॉ.उमिला सिंह, मुंबई

भोजनावकाश : १.३० से २.३० (जिमखाना हॉल)

भारतीय हिन्दी परिषद्, प्रयागराज कार्यकारिणी की बैठक

०३ बजे से ०५ बजे तक (आई.टी.बिल्डिंग - रूम ११४)

द्वितीय सत्र : २.३० से ५.०० बजे तक

२१वीं सदी की कथेतर गद्य विधाएँ (नया सेमीनार हॉल)

अध्यक्ष : प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित, लखनऊ

विषय प्रवर्तन : प्रो.चमनलाल गुप्ता, हिमांचल प्रदेश

मुख्य अतिथि : प्रो. शीतला प्रसाद दुबे, मुंबई

विशिष्ट अतिथि : प्रो.पवन अग्रवाल, लखनऊ

मुख्य वक्ता : डॉ.संतोष कौल, मुंबई, डॉ. विनीता सहाय, मुंबई

संचालन : डॉ. जयश्री सिंह, मुंबई

द्वितीय सत्र : २.३० से ५.०० बजे तक

२१वीं सदी में हिन्दी निबंध : दशा, दिशा और सम्भावनाएँ (पुराना सेमिनार हॉल)

अध्यक्ष : डॉ. रामजी तिवारी, मुंबई

विषय प्रवर्तक : डॉ. कुमुद शर्मा, दिल्ली

विशिष्ट अतिथि : कैलाश नारायण त्रिपाठी, दिल्ली

मुख्य वक्ता : प्रो. अवधेश कुमार, वर्धा, प्रो. मीरा दीक्षित, प्रयागराज,
प्रो. शैलेन्द्र शर्मा, उज्जैन, डॉ.विनम्रसेन सिंह, प्रयागराज

संचालन : डॉ. बालकवि सुरंजे, कल्याण

द्वितीय सत्र : २.३० से ५.०० बजे तक

२१वीं सदी में संस्मरण एवं रेखाचित्र (एन.आर. -१)

अध्यक्ष : प्रो.हरिशंकर मिश्र, लखनऊ

विषय प्रवर्तक : डॉ.अमरेन्द्र त्रिपाठी, प्रयागराज

विशिष्ट वक्ता : प्रो.आर.एन. मिश्र, गोवा

विशेष अतिथि : प्रो. संजीव दुबे, गांधीनगर

मुख्य वक्ता : डॉ. मानवेन्द्र पाठक, डॉ. अश्विनी कुमार शुक्ल,
डॉ.कामता प्रसाद कमलेश, डॉ. श्रुति.

संचालन : डॉ.प्रवीण बिष्ट, मुंबई

साधारण सभा की बैठक : सायं ०५ बजे (नया सेमीनार हॉल)

प्रतिवेदन : प्रो. भरत सिंह, प्रधानमंत्री, भारतीय हिन्दी परिषद्, प्रयागराज

सभाध्यक्ष : प्रो. नंदकिशोर पाण्डेय, सभापति, भारतीय हिन्दी परिषद्, प्रयागराज

सांस्कृतिक कार्यक्रम : सायं ६.३० बजे (नया सेमीनार हॉल)

द्वितीय दिवस : ०८ दिसम्बर, २०१८, शनिवार,

प्रात: १० बजे से १२.३० तक

२१वीं सदी में यात्रा साहित्य एवं रिपोर्ताज (नया सेमीनार हॉल)

अध्यक्ष : प्रो. सुरेश ऋतुपर्ण, दिल्ली

विषय प्रवर्तक : प्रो. रामेश्वर मिश्र, शान्तिनिकेतन

विशेष अतिथि : डॉ.सतीश पाण्डेय, मुंबई

मुख्य वक्ता : डॉ. नवीन नंदवाना, उदयपुर, डॉ. संतराम वैश्य, हरिद्वार,
डॉ.आनंद प्रकाश त्रिपाठी, सागर, डॉ.मलखान सिंह, दिल्ली,
डॉ. मनोज पाण्डेय, नागपुर, डॉ.विवेकानंद उपाध्याय, सागर

संचालन : डॉ. उषा मिश्र, मुंबई

२१वीं सदी में आत्मकथा एवं जीवनी साहित्य (पुराना सेमीनार हॉल)

अध्यक्ष : प्रो. त्रिभुवन नाथ शुक्ल, जबलपुर

विषय प्रवर्तक : डॉ. अनिल राय, दिल्ली

विशेष अतिथि : प्रो. सुनीता साखरे, मुंबई

मुख्य वक्ता : डॉ.श्रवणकुमार मीणा, डॉ.बलजीत कुमार श्रीवास्तव,
प्रो. गीता नायक, डॉ.विमला सिंघल, डॉ.सतीश चतुर्वेदी

संचालन : डॉ. निर्मला अग्रवाल, प्रयागराज

२१वीं सदी में डायरी एवं पत्र साहित्य (एन.आर.-१)

अध्यक्ष : डॉ. सभापति मिश्र, प्रयागराज

विषय प्रवर्तक : प्रा. शिवप्रसाद शुक्ल, प्रयागराज

मुख्य वक्ता : प्रो.सत्यकेतु, दिल्ली, डॉ. अखिलेश कुमार शंखधर, मणिपुर,
डॉ. विनय कुमार शर्मा, लखनऊ, डॉ. मनप्रित कौर, मुंबई

विशिष्ट वक्ता : डॉ. चम्पा सिंह, वाराणसी

संचालन : डॉ. दिनेश पाठक, मुंबई

भोजनावकाश : दोपहर १२.३० से १.३० तक

हिन्दी की अन्य कथेतर गद्य विधाएँ (नया सेमीनार हॉल) १.३० से ३.००

अध्यक्ष : प्रो.राकेश तिवारी, रायपुर

विषय प्रवर्तक : डॉ.पुनीत बिसारिया, झाँसी

विशिष्ट अतिथि : प्रो. भरत सिंह, प्रयागराज

मुख्य वक्ता : कृष्णगोपाल मिश्र, डॉ.आशीष सिसोदिया, डॉ. कामिनी ओझा

संचालक : डॉ. ऋषिकेश मिश्र, गोवा

ई लेखन एवं अन्य विधाएँ (पुराना सेमीनार हॉल) १.३० से ३.०० बजे तक

अध्यक्ष : प्रो. रमेश चन्द्र त्रिपाठी, लखनऊ

विषय प्रवर्तक : प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह, लखनऊ

मुख्यवक्ता : प्रो.योगेन्द्र प्रताप सिंह, प्रयागराज, प्रो. उमापति दीक्षित,आगरा,
डॉ.रमेश सिंह, प्रयागराज, प्रो.योगेन्द्र प्रताप सिंह, हैदराबाद,
डॉ.हरीश शर्मा, ईटानगर, डॉ. रविन्द्र कात्यायन

संचालन : डॉ.उमेशचन्द्र शुक्ल,मुंबई

मराठी की कथेतर गद्य विधाएँ (एन.आर. ०१) १.३० से ३.०० बजे तक

अध्यक्ष : प्रो.सुनील कुलकर्णी, नागपुर

मुख्य अतिथि : डॉ.मिलिंद कसबे, पुणे

संचालन : प्रशांत देशपांडे, मुंबई

समापन सत्र (नया सेमीनार हॉल) ३.०० बजे से ४.३० बजे तक

मुख्य अतिथि : श्री राजनारायण शुक्ल, लखनऊ,

विशेष अतिथि : प्रो.सदानंद गुप्त, कार्यकारी अध्यक्ष, उ.प्र.हिन्दी संस्थान,लखनऊ
डॉ. शिशिर, निदेशक, उ.प्र.हिन्दी संस्थान, लखनऊ
प्रो. जयप्रकाश, चंडीगढ़

विशिष्ट अतिथि : डॉ. नरेश चन्द्र , निदेशक, बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण
डॉ . अविनाश पाटील, प्राचार्य, बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण
डॉ. बालकवि सुरंजे, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग

अध्यक्ष : प्रो.नंदकिशोर पाण्डेय, सभापति, भारतीय हिन्दी परिषद् एवं निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान

संचालन : डॉ. नरेंद्र मिश्र, जोधपुर

आभार : डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय, संयोजक

बी. के. बिड़ला कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय (स्वायत्त), कल्याण

Conducted by Kalyan Citizens' Education Society
Affiliated to University of Mumbai
'College of Excellence' status by UGC (2015-2020)
Reaccredited by NAAC (3rd Cycle) with 'A' Grade (CGPA - 3.58) (2014-2021)
'Performance Excellence Trophy - 2011 in Education' by IMC RBNQA Trust
'Best College Award' by University of Mumbai (2009)
ISO 9001:2015 Certified

भारतीय हिन्दी परिषद्, प्रयागराज के ४४ वें राष्ट्रीय अधिवेशन
और उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ एवं सेंचुरी रेयॉन, शहाड
के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित

द्वि-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय परिसंवाद

२१ वीं सदी की कथेतर गद्य विधाएँ : दशा, दिशा और संभावनाएँ

०७ -०८ दिसम्बर, २०१८, दिन- शुक्रवार एवं शनिवार

मान्यवर,

आपको सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण एवं भारतीय हिन्दी परिषद् तथा उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ और सेंचुरी रेयॉन, शहाड के संयुक्त तत्त्वावधान में ०७ -०८ दिसम्बर, २०१८, दिन शुक्रवार एवं शनिवार को '२१वीं सदी की कथेतर गद्य विधाएँ : दशा, दिशा और संभावनाएँ' विषय पर दो - दिवसीय अंतरराष्ट्रीय परिसंवाद और भारतीय हिन्दी परिषद् के राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन किया गया है। इस आयोजन में आप सादर आमंत्रित हैं।

इस अंतरराष्ट्रीय परिसंवाद में हिन्दी की समस्त कथेतर गद्य विधाओं, उनके सैद्धांतिक पक्षों, उन विधाओं में लेखन कार्य करने वाले साहित्यकारों और उनकी प्रमुख रचनाओं पर चर्चा होगी। इस परिसंवाद में चर्चा एवं प्रपत्र प्रस्तुतीकरण हेतु निर्धारित कुछ बिंदु निम्नवत हैं :

१) २१वीं सदी की आत्मकथाएँ और प्रमुख आत्मकथाकार

२) २१वीं सदी की जीवनियाँ और प्रमुख जीवनीकार

३) २१वीं सदी के यात्रा - वृत्तान्त और प्रमुख यात्रावृत्त लेखक

४) २१वीं सदी के संस्मरण और प्रमुख संस्मरणकार

५) २१वीं सदी में निबंध साहित्य और प्रमुख निबंधकार

६) २१वीं सदी में व्यंग्य साहित्य और प्रमुख व्यंग्यकार

७) २१वीं सदी में रेखाचित्र एवं प्रमुख रेखाचित्रकार

८) २१वीं सदी में डायरी लेखन एवं प्रमुख डायरी लेखक

९) २१वीं सदी में साक्षात्कार और उनके प्रमुख लेखक

१०) २१वीं सदी में पत्र साहित्य और उनके प्रमुख लेखक

११) २१वीं सदी में रिपोर्ताज लेखन और प्रमुख रिपोर्ताज लेखक

१२) २१वीं सदी में आलोचना और प्रमुख आलोचक

१३) मराठी और हिन्दी भाषा का अन्त: सम्बन्ध

१४) २१वीं सदी में मराठी साहित्य की कथेतर गद्य विधाएँ और उनसे सम्बद्ध लेखक

१५) सोशल मीडिया का गद्य साहित्य : दशा, दिशा और संभावनाएँ

इन विषयों के अतिरिक्त प्रतिभागियों द्वारा हिन्दी अथवा मराठी की समस्त कथेतर गद्य विधाओं में से किसी एक विधा पर अथवा किसी साहित्यकार की २१वीं सदी में प्रकाशित किसी एक रचना पर अथवा उस रचना को केंद्र में रखते हुए रचनाकार के सम्पूर्ण साहित्य पर भी हिन्दी अथवा मराठी भाषा में आलेख तैयार किया जा सकता है।

प्रपत्र Font : krutidev 055 अथवा mangal के font size 13 में टाइप कर ssdpandey1@gmail.com अथवा suranjebalkavi@gmail.com पर ई-मेल करें अथवा नीचे दिए गये पते पर पोस्ट द्वारा भेजने की कृपा करें।

कुरियर / डाक से आलेख भेजने हेतु पता : डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय, हिन्दी विभाग, बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण (प.), जिला-थाने (महाराष्ट्र) पिन-४२१३०४.

❊ पंजीकरण शुल्क ❊

स्थानीय प्रतिभागियों के लिए : रूपये १०००/- (एक हजार मात्र)

शोधार्थियों के लिए : रू. ५००/- (पाँच सौ मात्र)

बाहरी प्रतिभागियों के लिए : रू. २०००/- (दो हजार मात्र) (आवासीय सुविधा सहित)

पंजीकृत लोगों के लिए ही परिसंवाद के दौरान आवास की साझी सुविधा उपलब्ध होगी. पंजीकरण शुल्क प्राचार्य, **बी. के. बिड़ला कॉलेज, कल्याण** के नाम की डी. डी. द्वारा भेज सकते हैं या NEFT द्वारा जमा करके आयोजक को उसकी विस्तृत सूचना मेल करें या वाट्सअॅप पर प्रेषित करें।

बैंक का नाम : Canara Bank, Kalyan (Main)

खाता संख्या : 0209101040623 **IFSC CODE :** CNRB 0000209

❊ बी.के.बिड़ला महाविद्यालय (स्वायत्त), कल्याण ❊

मुम्बई विश्वविद्यालय से सम्बद्ध बी. के. बिड़ला महाविद्यालय (स्वायत्त), कल्याण की स्थापना सन् १९७२ में श्रीयुत बसंत कुमार जी बिड़ला एवं स्व. श्रीमती सरला जी बिड़ला की प्रेरणा से हुई। वर्तमान में यहाँ के विविध संकायों में (स्नातक, स्नातकोत्तर और शोध केंद्रों में) ६,५०० से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत है। हमारे महाविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) द्वारा पुनर्मूल्यांकन (Third Cycle) में A ग्रेड (CGPA: 3.58) तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 'College of Excellence' का दर्जा प्राप्त हुआ है। वर्ष २००८-०९ में मुंबई विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय (Best College Award) का सम्मान भी प्राप्त हुआ है। शिक्षा के क्षेत्र में मिलने वाली I M C R B N Q A Performance Excellence Trophy - 2011 भी हमारे महाविद्यालय को प्राप्त हुई है। यह महाविद्यालय ISO 9001-2015 द्वारा प्रमाणित है। वर्ष २०१७ में महाविद्यालय के वनस्पति शास्त्र, रसायन शास्त्र, सूक्ष्म जीव विज्ञान, भौतिक शास्त्र एवं प्राणिशास्त्र विभाग को भारत सरकार के DBT का Star Status प्राप्त हुआ। साथ ही गणित, सूक्ष्म -तकनीकी और संगणक शास्त्र विभाग को 'Star College Scheme' के अंतर्गत अनुदान प्राप्त हुआ है। हाल ही में RUSA द्वारा स्वायत्त महाविद्यालय हेतु आर्थिक सहयोग के लिए महाविद्यालय का चयन किया गया है।

महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही हिन्दी विभाग प्रारम्भ हुआ। वर्तमान में हिन्दी विभाग में स्नातक, स्नातकोत्तर की कक्षायें चलती है और यहाँ हिन्दी का शोध केंद्र भी है। पिछले एक दशक से विविध हिन्दीसेवी संस्थाओं के संयुक्त तत्त्वावधान में विभाग द्वारा प्रतिवर्ष राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय परिसंवाद, कार्यशाला और नवलेखक शिविर आदि का आयोजन किया जा रहा है। इन आयोजनों में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी, हिन्दुस्तानी प्रचार सभा, मुंबई, साहित्य अकादमी, दिल्ली, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा और केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, दिल्ली आदि की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। विभाग की उक्त उपलब्धियाँ महाविद्यालय की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं सेंचुरी रेयॉन के बिजनेस हेड श्री. ओ.आर. चितलांगे जी और महाविद्यालय के निदेशक एवं मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई के पूर्व प्र. कुलगुरु डॉ. नरेश चन्द्र जी की प्रेरणा, उनके कुशल मार्गदर्शन और महाविद्यालय की प्रबंधन समिति एवं सेंचुरी रेयॉन के आशातीत सहयोग की ही परिणति रही है।

❊ भारतीय हिन्दी परिषद्, प्रयागराज ❊

भारतीय हिन्दी परिषद् अखिल भारतीय विश्वविद्यालय / महाविद्यालय के हिन्दी प्राध्यापकों, प्रतिष्ठित साहित्यकारों एवं हिन्दी अधिकारियों की एक संस्था है। इसकी स्थापना सन १९४२ में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति सर अमरनाथ झा एवं डॉ. धीरेन्द्र वर्मा द्वारा की गई और इसका कार्यालय हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अंतर्गत स्थापित किया गया। इस संस्था का उद्देश्य हिन्दी भाषा और साहित्य के उन्नयन, अनुसंधान के स्तरीकरण एवं उच्च स्तरीय हिन्दी अध्यापन एवं शोध समन्वयन के लिए तय किया गया था और तब से यह संस्था निरंतर कार्यशील है। प्रतिवर्ष भारत के किसी विश्वविद्यालय में इसका राष्ट्रीय अधिवेशन किया जा रहा है। अधिवेशन के अवसर पर महत्त्वपूर्ण साहित्यिक विषयों पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन किया जाता है। संगोष्ठियों एवं अधिवेशन में भारत के सभी विश्वविद्यालयों के हिन्दी विद्वान अपना शोध पत्र प्रस्तुत करते है। इसके अधिवेशन एवं संगोष्ठियों में महामहिम राष्ट्रपति स्व. डॉ.राजेन्द्र प्रसाद जी, आचार्य विष्णुकांत शास्त्री जी, मा. माता प्रसाद जी आदि के साथ- साथ हिन्दी के लगभग सभी शीर्षस्थ विद्वानों ने मुख्य अतिथि के रूप उपस्थित होकर इसका गौरव बढ़ाया है। वर्तमान में परिषद् के लगभग १७०० आजीवन सदस्य है और लगातार बन भी रहे है। परिषद् का प्रथम अधिवेशन सन १९४३ में इलाहाबाद में हुआ था। तब से अब तक देश के अलग-अलग राज्यों, शहरों में कुल ४३ अधिवेशन संपन्न हो चुके है। ४४ वाँ अधिवेशन बी. के. बिड़ला महाविद्यालय (स्वायत्त), कल्याण में होने जा रहा है।

❊ उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ ❊

हिन्दी भाषा और साहित्य के सर्वतोन्मुखी उन्नयन एवं संवर्धन तथा प्रचार - प्रसार हेतु ३० दिसम्बर, १९७६ को उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ की स्थापना हुई। उत्तर प्रदेश भाषा विभाग के अधीन इस संस्था द्वारा साहित्य केन्द्रों की स्थापना, देशी / विदेशी छात्रों को शोध कार्यों हेतु सहायता, साहित्यकार कल्याण कोष, स्मृति संरक्षण योजना, और बाल साहित्य संवर्धन जैसी योजनाओं का संचालन किया जाता है। इस संस्थान द्वारा चिकित्सा विज्ञान एवं तकनीकी पुस्तकों का लेखन, भारतीय भाषाओं की प्रमुख कृतियों का अनुवाद और दो पत्रिकाओं के प्रकाशन के साथ - साथ अहिन्दी भाषी क्षेत्रों में भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहन, कार्यशाला एवं राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संस्थान की सहभागिता आदि हिन्दी को प्रचारित - प्रसारित करने वाले आयोजनों को प्रोत्साहित और अनुदानित किया जाता है। इसके साथ ही प्रतिवर्ष 'भारत भारती पुरस्कार' सहित कुल ११४ पुरस्कार विविध क्षेत्रों के हिन्दी सेवियों को प्रदान किये जाते है। इनमें १५ सौहार्द्र सम्मान सम्मिलित है जो अन्य भारतीय भाषाओं से हिन्दी में अनुवाद हेतु प्रदान किए जाते है।

❊ आयोजन समिति ❊

मार्गदर्शक	अध्यक्ष	उपाध्यक्ष
डॉ. नरेश चन्द्र निदेशक	डॉ. अविनाश पाटील प्राचार्य	डॉ. स्वप्ना समेल उप प्राचार्य
स्वागताध्यक्ष	**संयोजक**	**खजांची**
डॉ. बालकवि सुरंजे (मो. ८०८०३६७५०७)	डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय (मो. ९८२०११४५७१)	श्री. विपिन वाडेकर

स्वागत समिती : श्री. सी.डी.फडके, डॉ. मनीन्दर कौर, प्रा.स्मिता गुप्ता

आवागमन व्यवस्था :- डॉ. हरीश दुबे (९३२२८८५५२३), डॉ. दत्तात्रय क्षीरसागर, डॉ. वी.एस.जाधव, प्रा. वाय. डी. बागराव (९९६०७६३४५३) **आवास व्यवस्था :-** प्रा. सीताराम म्हस्के (९८६९१५१८०८), डॉ. कांतिलाल नागरे, प्रा. नितिन बर्वे, डॉ.दिनेश वानुले (७७०९९७७९९०), डॉ.धीरज शेखावत, डॉ.नारायण टोटेवाड़, प्रा. सूरज अग्रवाल **भोजन - नाश्ता :-** श्री शैलेश श्रीवास्तव, प्रा. अनिल तिवारी, प्रा. प्रतिभा गाडे, प्रा.आनंद धर्माधिकारी, प्रा. भरत बागुल, प्रा.विप्लव **पंजीकरण :-** प्रा. प्रीती सावले, प्रा. लक्षिता सोनी, प्रा. प्रकाश संसारे **मंच व्यवस्था :-** डॉ. अर्चना सिंह, डॉ.वृंदा निशानदार, डॉ. सुवर्णा जाधव, डॉ. ग्रीष्मा खोब्रागडे, डॉ. मेघा देवले, प्रा.शीतल चित्रे **मीडिया - फोटोग्राफी :-** प्रा. सायली, डॉ. अरुण देवरे, श्री. किरण रायकर **सांस्कृतिक कार्यक्रम :** डॉ. मीता भोत

कार्यक्रम की रूप रेखा

प्रथम दिवस : ०७ दिसम्बर, २०१८, शुक्रवार

उद्घाटन सत्र : प्रात: : १०.३० बजे से १२.०० बजे तक

उद्घाटन कर्ता : प्रो. सदानंद गुप्त, कार्यकारी अध्यक्ष, उ.प्र.हिन्दी संस्थान, लखनऊ

मुख्य अतिथि : पद्मविभूषण प्रो. एम. एम. शर्मा, मुंबई

विशेष अतिथि : श्री नरेंद्र जी पवार, स्थानीय विधायक
श्री. सुबोध दवे, उपाध्यक्ष, प्रबंधन समिति, बी.के.बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण

स्वागताध्यक्ष : डॉ. नरेश चन्द्र, निदेशक, बी.के.बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण एवं पूर्व प्र. कुलगुरु, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई

स्वागत वक्तव्य : डॉ.अविनाश पाटील, प्राचार्य, बी. के .बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण

अध्यक्ष : प्रो. नंदकिशोर पाण्डेय, सभापति, भारतीय हिन्दी परिषद्, प्रयागराज

संचालन : डॉ.नरेन्द्र मिश्र, साहित्य मंत्री, भारतीय हिन्दी परिषद्, प्रयागराज

आभार : डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय, संयोजक

❊ विद्वानों का सम्मान ❊

माननीय मुख्य अतिथि और भारतीय हिन्दी परिषद् के सभापति द्वारा

१. डॉ.हरिमोहन सम्मान :पद्मभूषण प्रो. एम. एम. शर्मा, मुंबई एवं
२. डॉ. मनोज कुमार पटेरिया, निदेशक, सी.एस.आई.आर.-निस्केयर, नई दिल्ली
३. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी सम्मान : प्रो. जयप्रकाश, चंडीगढ़
४. प्रो.धीरेन्द्र वर्मा सम्मान : डॉ. आर.आर. उपाध्याय, मुंबई
५. डॉ.मलिक मुहम्मद सम्मान : प्रो.चमनलाल गुप्त, हिमांचल प्रदेश
६. प्रो. कल्याण मल लोढा सम्मान : प्रो. रामेश्वर मिश्र, शान्तिनिकेतन
७ प्रो. नन्ददुलारे वाजपेयी सम्मान : प्रो.योगेन्द्र प्रताप सिंह, प्रयागराज
८. डॉ.रमेश कुमार शर्मा सम्मान : डॉ.सूर्यबाला, मुंबई
९. डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा सम्मान : डॉ.दामोदर खड़से, पुणे
१०. डॉ.रामकुमार शर्मा सम्मान : डॉ. वसुधा सहस्रबुद्धे, मुंबई

प्रथम सत्र : १२.०० से १.३० तक (नया सेमिनार हॉल)

२१ वीं सदी में हिन्दी आलोचना

अध्यक्ष : डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व सभापति, भारतीय हिन्दी परिषद्, प्रयागराज

विषय प्रवर्तक : डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, मु.वि.वि., मुंबई

मुख्य अतिथि : प्रो. कैलाश कौशल, जोधपुर

मुख्य वक्ता : डॉ. अब्दुल अलीम, अलीगढ़, प्रो. एम. देवकी, कोचीन
डॉ. आशुतोष मिश्र, सागर

संचालन : डॉ. मिथिलेश शर्मा, मुंबई

प्रथम सत्र : १२.०० से १.३० तक (पुराना सेमिनार हॉल)

मराठी एवं हिन्दी भाषा का अन्त: सम्बन्ध

अध्यक्ष : डॉ. दामोदर खड़से, प्रसिद्ध साहित्यकार, पुणे

मुख्य अतिथि : डॉ. विष्णु सरवदे, हैदराबाद

मुख्य वक्ता : प्रो.म.मा. कडू, डॉ.मनोहर, मुंबई, डॉ. वसुधा सहस्रबुद्धे, डॉ. संतोष मोटवानी

संचालन : प्रा. सीताराम म्हस्के, बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण